BCM SCHOOL BASANT AVENUE DUGRI
MUSIC VOCAL ASSIGNMENT
CLASS:XI1 (Answer Key)

1: C
2: B
3: a
4: c
5; C
6: B
7: C
8:C
9आलाप राग के स्वरों को विलम्बित लय में विस्तार करने को कहते हैं। आलाप को आकार की सहायता से या नोम, तोम जैसे शब्दों का प्रयोग करके किया जा सकता है। गीत के शब्दों का प्रयोग करके जब आलाप किया जाता है तो उसे बोल-आलाप कहते हैं। 'आलाप' का अर्थ है बदल-बदल कर बढ़ना।
10इस राग का वादी स्वर "ध" और सम्वादी स्वर "रे" है, इसी कारण यह उत्तरांंगवादी राग कहलाता हैं । इस राग को गाने बजाने का समय प्रातःकालीन संधि प्रकाश(सुबह 4 से 7 बजे तक) है। आरोह:- सा रे ग म प ध नी सां। अवरोह:- सां नी ध प म ग रे सा।
11 किसी एक स्वर को अपने स्थान से हटा देने से ग्राम का स्वरुप बिगड़ जाता है। अतः ग्राम की परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है , निश्चित श्रुतियान्तरो पर स्थापित सात स्वरों के समूह को ग्राम कहते हैं। ये स्वर चतुश्तुश्चतुश्चैव दोहे के आधार पर बाईस श्रुतियों के अंतर्गत फैले हुये हैं। ग्राम से मूर्छना की रचना हुई।
12झपताल हिंदुस्तानी संगीत की एक ताल है। यह तीनताल से काफी अलग लयबद्ध संरचना प्रस्तुत करता है, जिसके विपरीत यह सममित नहीं है। इसका उपयोग मध्यालय (मध्यम गति) ख्याल में किया जाता है।